प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 29 मई, 2015

शराब एवं गोहत्या पर पूर्ण पाबंदी के लिए आर्य समाज आन्दोलन चलायेगा।

—स्वामी अग्निवेश

करोड़ों परिवारों की बरबादी के अलावा बलात्कार, हत्या, सड़क दुर्घटना एवं लीवर आदि की बीमारियों के लिए शराबखोरी को प्रमुख कारण बताते हुए आर्य समाज ने हरयाणा, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर यात्राओं के माध्यम से जन–चेतना अभियान पूरा कर लिया है।

पहली यात्रा समूचे हरयाणा स्तर पर मार्च में दूसरी यात्रा हरिद्वार से होशंगाबाद अप्रैल में निकाली जा चुकी जिसका नेतृत्व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश तथा स्वामी प्रणवानंद, स्वामी दिव्यानंद आदि ग्यारह संन्यासियों ने किया।

स्वामी अग्निवेश ने इस बीच इसी मुद्दे को जमीयत उलेमा हिन्द के कानपुर, लखनऊ, अमरोहा, मुंबई और आखिरी में रामलीला मैदान, दिल्ली के विशाल कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए रखा और सभी कार्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर पर शराबबंदी के प्रस्ताव पारित हुए।

सर्व धर्म संसद के माध्यम से शराब के साथ गो–हत्या पर भी पूर्ण पाबंदी की मांग उठाई गई जिसका कैथलिक समाज के प्रवक्ता फादर डोमिनिक इमैनुअल, जैन समाज की ओर से लोकश मुनि जी ने, सनातन धर्म की ओर से स्वामी चिदानंद जी एवं गोस्वामी सुशील महाराज ने, आर्ट आफ लिविंग के प्रेरक श्री श्री रविशंकर जी, गुरुद्वारा प्रबंध समिति की ओर से मंजीत सिंह जी० के० एवं गुरुद्वारा बंगला साहिब के परमजीत सिंह चण्ढोक, जमीयत उलेमा ए हिन्द के मौलाना अब्दुल हमीद नोमानी आदि ने समर्थन जताया। बहुसंख्यक हिन्दुओं की भावनाओं का आदर करते हुए बकराईद के मौके पर भी गो–हत्या न करने का फतवा दारुल उलूम देवबंद ने दिया हुआ है।

जमीयत उलेमा ए हिन्द के तीन हजार डेलीगेट्स को संबोधित करते हुए स्वामी अग्निवेश ने शराबबंदी के साथ गोवंश की हत्या की पाबंदी के पक्ष में भारतीय संविधान की धारा 47 एवं धारा 48 का हवाला दिया तथा 2005 में दिये गये सुप्रीम कोर्ट की 7 जज की बेंच के फैसले को भी गोवंश की हत्या के निषेध के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही बाबरनामा में हुमायूँ के नाम वसीयत करते हुए तथा टीपू सुल्तान द्वारा लगाये गये पाबंदी का ज़िक्र करते हुए आशा व्यक्त की गई समस्त भारतीय धर्म समाज इन दोनों मुद्दों पर एकजुट होकर काम करे तो साम्प्रदायिक सद्भावना का जबरदस्त उभार होगा और साथ ही सभी बुराइयों की जड़, शराबखोरी के बंद या कम होने से भी समाज को बड़ा लाभ होगा।

संपर्क : agnivesh70@gmail.com